बुककीपिंग एण्ड एकउण्टेन्सी

[Book-Keeping and Accountancy]

(Hindi and English Verson)

Time – 3 hours [M.M. - 100]

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(2) प्रश्न–पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(3) प्रश्न–पत्र में दो खण्ड दिये गये हैं खण्ड–'अ' और खण्ड–'ब'

(4) खण्ड–अ में दिये गये प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति सत्य/असत्य, एक शब्द में उत्तर, सही जोड़े बनाना तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का हैं।

(5) प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आवंटित हैं।

(6) प्रश्न क्रमांक 11 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आवंटित है।

(7) प्रश्न क्रमांक 16 से 20 तक प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आवंटित हैं।

(8) खण्ड – ब में प्रश्न क्रमांक 6 से 20 में आंतरिक विकल्प दिये गये हैं।

Instructions : –

(1) All questions are compulsory.

(2) Read the instructions of question paper carefully and write their answer.

(3) There are two Parts - Section-'A' and Section-'B' in question paper.

(4) In Section-'A' Question No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blanks, True / False, one word Answer, Match the column and choose the correct Answers. Each question is Allotted 5 marks.

(5) Q. No. 6 to 10 Carry 4 marks each.

(6) Q. No. 11 to 16 Carry 5 marks each.

(7) Q. No. 16 to 20 Carry 6 marks each.

(8) Internal option are given in Q. No. 6 to 20 in Section-B.

खण्ड ''अ''

Section-'A'

प्र.1 निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर लिखिए –

Select the correct answer of the followings :- (5)

(अ) साझेदारी संलेख बनाना –

(1) अनिवार्य है (2) ऐच्छिक है

(3) अंशतः अनिवार्य है (4) अंशतः ऐच्छिक है

(A) Preparation of Partner ship deed is –

(a) Compulsory (b) Voluntary

(c) Partially compulsory (d) Partially Voluntary

(ब) पुर्नमूल्यांकन पर होने वाला लाभ किस अनुपात में बांटा जाता है –

(1) नये लाभा–लाभ अनुपात में (2) पुराने लाभ अनुपात में

(3) त्याग अनुपात में (4) प्राप्ति अनुपात में

(B) In which Ratio the Profit on revaluation is distributed –

(a) New Profit and Loss ratio. (b) Old profit and Loss ratio

(c) Sacrificing ratio (d) Gaining ratio

(स) साझेदार का दिवालिया होना किस प्रकार का समापन है –

(1) समझौता द्वारा (2) अनिवार्य

(3) संयोग द्वारा (4) न्यायालय द्वारा

(C) Insolvancy of the partner which type dissolution –

(a) By agreement (b) Compulsory

(c) By Incidence (d) By Court

(द) ऋणपत्रधारी कम्पनी के होते हैं –

(1) स्वामी (2) लेनदार

(3) देनदार (4) संरक्षक

(D) Debenture holder are of the company –

(a) Owners (b) Creditors

(c) Debitors (d) Guardian

(इ) X व Y 2:3 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। उन्होंने भविष्य में समानुपात में लाभ बांटने का निश्चय किया, कौन साझेदार किस अनुपात में त्याग करेगा –

(1) X द्वारा 1/10 (2) Y द्वारा 1/5

(3) X द्वारा 1/5 (4) Y द्वारा 1/10

(D) X and Y share Profit in the Ratio 2:3. They decide to share Profit in Equal ratio, which Partner will sacrifies in which Ratio –

(a) X 1/10 (b) Y 1/5

(c) X 1/5 (d) Y 1/10

प्र.2 निम्नलिखित की सही जोड़ी बनाइए – **(5)**

"अ"	**"ब"**
(अ) प्रेषण व्यवहार में भेजें माल की जोखिम होती है।	अ. लाभ का सूचक है
(ब) प्रेषण स्कन्ध उचयन्त खाता खोला जाता है।	ब. बीजक मूल्य से अधिक मूल्य पर माल बेचने पर
(स) सूचनार्थ बीजक मूल्य होता है।	स. बिना बिके माल का मूल्यांकन बीजक मूल्य पर
(द) अधिभावी कमीशन का भुगतान किया जाता है।	द. लागत + लाभ का प्रतिशत
(इ) प्रेषण खाते के नाम पक्ष के योग से जमा पक्ष का योग अधिक है तो	इ. प्रेषक की ई. हानि का सूचक ए. लागत + व्यय

Match the Columns :-

(A)	(B)
(a) Risk of good sent on consignment	(i) Indicator of Profit
(b) Consignment Stock suspense account	(ii) Selling goods over and above invoice Price
(c) Profarma invoice price is	(iii) When goods an sold is valued at invoice price
(d) Over – riding commission is paid	(iv) Cost + Profit %
(e) Credit Side of consignment debit side	(v) Consumer
	(vi) Indicator of Loss
	(vii) Cost + Expenses

प्र.3 निम्न कथन सत्य / असत्य मे उत्तर दीजिए :– **(5)**

(अ) परिवर्तनशील पूंजी पद्धति में चालू खाता खोला जाता है।

(ब) ख्याति एक स्थायी सम्पत्ति है।

(स) साझेदारों के मध्य वसूली खातों के शेष को पूंजी अनुपात में बॉटा जाता है।

(द) ऋणपत्रों पर केवल लाभ होने पर ही ब्याज दिया जाता है।

(इ) त्याग का अनुपात = नया लाभ हानि अनुपात।

Answer the following in True / False :-

(a) Current Account is open in fluctuating capital method.

(b) Goods will is a fixed assets.

(c) The balance of realization account is transferred among Partners in capital ratio.

(d) Interest is paid on debentures only in case of Profit.

(e) Sacrificing ratio = New Profit and Loss ratio.

प्र.4 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **(5)**

1. साझेदारी व्यवसाय में साझेदारी का दायित्व.....होता है।
2. अप्राप्य और संदिग्ध ऋणार्थ संचिति की कमी को पूर्नमूल्यांकन खाता में.....किया जाता है।
3. सामान्यतः मृतक साझेदार को देय रकम उसके.....के खाते में हस्तान्तरित की जाती है।
4. फर्म के विघटन पर हस्त रोकड़ को.....खाते में हस्तान्तरित किया जाता है।
5. ऋणपत्र के शोधन का अर्थ है, कम्पनी द्वारा ऋणपत्र की राशि का.....।

Fill in the blanks –

i) In partnership the liability of the partner is…….

ii) Reduction in reserve for bad debts and doubtful debts will be……..to revaluation account.

iii) Amount due to deceased partner is from bared to his……..account.

iv) On dissolution of ferm cash in hand transferred to……..account.

v) Redemption to debenture means……..of the amount of debenture by the company.

प्र.5 प्रत्येक प्रश्न का एक वाक्य में उत्तर दीजिए – **(5)**

1. किस प्रकार के ऋणपत्र, अंशों तथा नये ऋण पत्रों में बदले जा सकते हैं,
2. विद्यमान साझेदारों के लाभ–हानि अनुपात में परिवर्तन के कारण सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुर्नमूल्यांकन पर होने वाले लाभ किस खाते में हस्तांतरित करते हैं?
3. फर्म के सभी साझेदार या एक को छोड़कर अन्य सभी साझेदार दिवालिया घोषित हो जायें, तो यह किस प्रकार का समापन है?
4. साझेदारी संलेख के अभाव में साझेदार को पूंजी पर ब्याज किस दर से दिया जायेगा?

5. वे ऋणपत्र जिनका कम्पनी के रजिस्टर में नाम दर्ज होता है, उन्हे क्या कहा जाता है?

Write the answer in one word each –

(i) Which Type of debenture can be converted in to share and new debenture?

(ii) In case of change profit share Ratio of existing Partners where is Profit on revaluation of Assets and liabilities transferred?

(iii) When all the partners except one is declared insolvent then which type of dissolution it is?

(iv) On which rate interest on capital will be given to the partner of "absent of partnership deed".

(v) What are the debentures called whose name are registered in the company register?

खण्ड ''ब''

Section-'B'

प्र.6 साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले चार नियम लिखिए ? **(4)**

Write any four Rules which are applicable in the absence of partnership deed.

अथवा

(Or)

X और Y एक फर्म में साझेदार हैं। 1 जनवरी 2011 को उनकी पूँजी क्रमशः 6000 रू. और 5000 रू. थी। उन्हें पूँजी पर 7% प्रति वर्ष ब्याज दिया जाता है। Y ने 1 जुलाई 2011 को 1600 रू. के फर्म को ऋण दिया। X को 800 रू. प्रतिवर्ष वेतन पाने का अधिकार है। 31 दिसम्बर 2011 को समाप्त वर्ष का लाभ समायोजन के पूर्व 2000 रू. है। लाभ–हानि नियोजन खाता बनाइए।

X and Y are partners in a farm. Whose capital on 1st January 2011. Were Rs. 6000 and Rs. 5000 respectively. They are allowed interest on capital @ 7% per annum. Y gave Rs. 1600 to farm as loan on 15th July 2011. X is entitled to get an annual salary of Rs. 800. The profit for the year ended 31st December 2011 be for making above adjustment were Rs. 2000. Prepare profit and loss appropriation account.

प्र.7 कम्पनी द्वारा अंश प्रीमियम का उपयोग किन–किन कार्यों के लिए किया जाता है? (4)

How is Premium on share used in company. (Any four)

अथवा

(Or)

कम्पनी की कोई चार विशेषताऐं लिखिए।

Write any four characteristics of a company.

प्र.8 अंशधारी तथा ऋण पत्र धारी में चार अन्तर लिखिए। (4)

Write four point of difference between share holders and debenture holders.

अथवा

(Or)

अग्रवाल ट्रेडर्स ने 2,20,000 रू. की लागत का फर्नीचर क्रय किया। यह तय हुआ कि क्रय प्रतिफल का भुगतान 100 रू. वाले 15% ऋण पत्र का निर्गमन 10% प्रीमियम के द्वारा किया जायेगा। अग्रवाल ट्रेडर्स की बहियों में आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियॉ कीजिए।

Agarwal traders purchase furniture costing Rs. 2,20,000. It was agreed that purchase consideration be paid by issue of 15%. Debenture of Rs. 100 each at 10% Premium give necessary. Write daily Journal Entries in cash book of Agarwal Traders.

प्र.9 रोकड़ बहाव विवरण की कोई चार उपयोगिता लिखिए। (4)

Write any four utility of cash flow statement.

अथवा

(Or)

लेखांकन अनुपात के चार महत्व लिखिए।

Write any four importance of accounting ratio.

प्र.10 चल अनुपात तथा त्वरित अनुपात में चार अन्तर लिखिए। **(4)**

Write any four difference between current ratio and quick ratio.

अथवा

(Or)

विनियोग क्रियाओं को समझाए।

Explain investmet activities.

प्र.11 मेहता एण्ड कम्पनी, रायपुर ने भोपाल के एक इलेक्ट्रोनिक सेन्टर को 100 टेपरिकार्डर जो 1000 रू. प्रति सेट लागत मूल्य एवं बीजक मूल्य 1300 रू. प्रति सेट पर माल भेजा। प्रेषक ने 4,000 रू. खर्च किया। प्रेषणी को बीजक मूल्य पर 10% तथा बीजक मूल्य से अधिक बिक्री पर 25% कमीशन देय है। प्रेषणी द्वारा निम्न व्यय किये गये चुंगी 1000 रू. एवं बिक्री व्यय 3,300 रू.। प्रेषणी ने 90 टेपरिकार्डर बिक्री किये, जिनका मूल्य 1,37,000 रू. है। भोपाल के इलेक्ट्रानिक सेन्टर ने मेहता एण्ड कम्पनी को शेष राशि बैंक ड्राफ्ट द्वारा भेज दी। तैयार कीजिए –

1) प्रेषक के खाते में प्रेषण खाता **(5)**

2) प्रेषणी द्वारा लगाये गये कमीशन की गणना

Mehta & Company Raipur consigned to electronic center Bhopal 100 sets of tape recorder at cost of Rs. 1000 per set and invoice price being Rs. 1300 per set. The consignor spent Rs. 4000. The consignee is entitled to a commission @ Rs. 10% on invoice price and 25% on the excess over invoice price. The consignee have paid the following. Octroi Rs. 1000 and selling expenses Rs. 3300. He sold 90 sets of Taprecorder worth Rs. 1,37,000 and balance amount (due amount) send by Bank Draft to Mehta & Company Prepare –

i) Consignment account in the book of consignor.

ii) Calculation of commission charged by the consignee.

अथवा

(Or)

सामान्य एवं असामान्य हानि में कोई पॉच अन्तर बताइए।

Write any five difference between Normal Loss and Abnormal Loss.

प्र.12. ख्याति को प्रभावित करने वाले पाँच घटक लिखिए। (5)

Write any five factor determining good will.

अथवा

(Or)

S और B एक फर्म में 3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 दिसम्बर को इनका चिट्ठा निम्न प्रकार था –

दायित्व	**राशि रू.**	**सम्पत्ति**	**राशि रू.**
लेनदार	30,000	भवन	20,000
		मशीनरी	9,000
पूंजी– S 30,000		देनदार – 45,000	
B 20,000	50,000	(-) आयोजन 8,000	37,000
		विनियोग	8,500
		रोकड़	5,500
	80,000		**80,000**

उन्होंने 1 जनवरी 2012 को R को निम्न शर्तों पर साझेदारी में प्रवेश दिया–

(1) R को लाभ का 1/3 भाग दिया जायेगा।

(2) वह पूंजी के 12,000 रू. तथा ख्याति के 9,600 रू. लायेगा।

(3) भवन का मूल्य 30,000 रू. मशीनरी का मूल्य 8,000 रू. रखा जायेगा।

(4) डूबत ऋण आयोजन 2,500 रू. से कम कर दिया जायेगा।

(5) विनियोग का बाजार मूल्य 6,000 रू. था जो S द्वारा लिया जायेगा। उपर्युक्त विवरण से पुनर्मूल्यांकन खाता एवं पूंजी खाता तैयार कीजिए।

S and B are partners sharing profit and losses in ratio 3:2 is a firm. There Balance Sheet on 31st December 2011 was as follows –

Liabilities	**Amount Rs.**	**Assets**	**Amount Rs.**
Creditors	30,000	Building	20,000
Capital		Machinery	9,000
S 30,000		Debitor –	
R 20,000		45,000	37,000
	50,000	(-) Provision	
		8,000	
		Investment	8,500
		Cash	5,500
	80,000		**80,000**

They admit R on the following term on 1st January 2012 –

(i) 'R' gets 1/3 share of the profit.

(ii) He will bring Rs. 12.000 on his capital and Rs. 9,000 as his share for good will.

(iii) Building is to be valued for Rs. 30,000 machinery to Rs. 8,000.

(iv) Bad debits reserve is reduced by 2,500.

(v) Investment were valued as Rs. 6,000 and S look over the investment Prepare revalution account and capital account.

प्र.13 त्याग के अनुपात एवं नफे के अनुपात में अन्तर समझाइए। (कोई पाँच) (5)

Explain the difference between sacrificing ratio and Getting ratio (any five)

अथवा

(Or)

राम, मोहन एवं सोहन 3:2:1 के अनुपात में लाभ–हानि विभाजन करते हैं। राम 1 जनवरी 2001 से अवकाश ग्रहण करता है। फर्म में इसके भाग का मूल्य 40,000 रू. आंका गया।

साझेदारी ठहराव के अनुसार राम के जीवन काल में उसे 6,000 रू. वार्षिक, प्रत्येक वर्ष की पहली जनवरी को दी जावेगी। शेष राशि पर 6% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जायेगा। 1 जनवरी 2008 को प्रथम भुगतान किया गया। तत्पश्चात् चौथी वार्षिकी पाने के बाद राम की मृत्यु हो गई। राम के हित का भुगतान करने हेतु वार्षिकी उचन्त खाता बनाईए।

Ram, Mohan and Sohan were Partners with ratio 3:2:1 on 1st January 2007. Ram retired from firm. His share in the firm was valued at Rs. 40,000. According to the partner ship agreement as amenity of Rs. 6,000 will be paid to his on 1st January of each year and interest @ 6% per anum will be paid on the balance, The first payment was made on 1st January 2008. After receiving the fourth annuity Ram died. Prepare on annuity supersets account regarding payment to Ram.

प्र.14 X **लिमिटेड ने 10 रू. वाले 10,000 अंश निर्गमित किये। आवेदन पर 2 रू. प्रति** **(5)**

अंश, आवंटन पर 3 रू. प्रति अंश, प्रथम याचना पर 5 रू. प्रति अंश देय है। 300 अंशों के एक अंशधारी ने याचना की राशि नहीं चुकाई। अतः याचना के बाद उसके अंशों को जब्त कर लिया गया। कम्पनी की पुस्तकों में जब्त सम्बन्धित जर्नल प्रविष्टियॉ कीजिए।

X Ltd issued 10,000 share of Rs. 10 each share Rs. 2 per share on application Rs. 3 per A share holder of 300 share failed to pay first call money. His share were for feted after call. Make Journal entries for forfeiture of shares in the book of the Company.

अथवा

(Or)

पूंजी संचय तथा संचित पूंजी में अन्तर लिखिए।

Explain the defference between capital reserve and reserved capital.

प्र.15 कम्पनी के चिट्ठे में दर्शाये जाने वाले चालू दायित्व एवं प्रावधानों के अन्तर्गत **(5)**
कोई पॉच मदे लिखिए।

Write any five item of current liabilities and provision showed in company Balance Sheet.

अथवा

(Or)

कम्पनी अधिनियम 1956 की अनुसूची भाग–6 (1) के अनुसार चिट्ठे में दिखाई जाने वाली मदें (मुख्य शीर्षक) लिखिए।

Write some important item (main heads) showed as Indian Company Act 1956 Schedule VI (1) in Balance Sheet.

प्र.16 फर्म के समापन एवं साझेदारी के समापन में अन्तर छः बिन्दुओं में लिखिए। **(6)**

Differentiate between dissolution of firm and dissolution of partnership(any six)

अथवा

(Or)

जगन और मगन का 31 दिसम्बर 2011 का चिट्ठा निम्नांकित है जो कि बराबर के साझेदार हैं –

चिट्ठा (31 दिसम्बर 2011)

दायित्व	**राशि रु.**	**सम्पत्ति**	**राशि रु.**
पूंजी –		मशीनरी	27,000
गगल 30,000		प्लाण्ट	30,000
मगन 21,000	51,000	देनदार	7,500
लेनदार	9,000	बैंक	7,500
जगल कर ऋण	12,000		
	72,000		**72,000**

उन्होंने फर्म विघटन का निर्णय लिया। सम्पत्तियों से निम्न वसूली हुई–

(1) मशीनरी पर इसके पुस्तकीय मूल्य से 20% कम

(2) प्लाण्ट पर इसके पुस्तकीय मूल्य से 10% कम

(3) देनदारों से 6,000 रू. प्राप्त

(4) लेनदारों को 10% कटौती पर भुगतान किया गया।

(5) समापन व्यय 1,500 रू. है ।

विघटन के सम्बन्ध में आवश्यक खाते बानाइए।

Jagan and Magan are equal partners. There Balance Sheet as on 31st December 2011 is as following.

Liabilities	**Amount Rs.**	**Assets**	**Amount Rs.**
Capital		Machinery	27,000
Jagan 30,000		Plant	30,000
Magan 21,000	51,000	Debitor	7,500
Creditor	9,000	Bank	7,500
Jagan's Loan	12,000		
	72,000		**72,000**

They decided to dissolve the firm. The assets realized as following –

(i) Machinery 20% less than book value

(ii) Plant 10% less than book value

(iii) Received from Debitors Rs. 6,000

(iv) Creditor were paid at 10% discount

(v) Realisation expensed Rs. 1,500

Prepare necessary account.

प्र.17 अंशों के हरण एवं अंशों के समपर्ण में अन्तर छः बिन्दुओं में लिखिए। **(6)**

Write any six deference between share of forfeiture

and share of surrenders

अथवा

(Or)

एक लिमिटेड कम्पनी ने 20 रू. वाले 5,000 समता अंश जनता को 5 रू. प्रीमियम पर निर्गमत किए। राशि निम्न प्रकार मांगी गई। आवेदन पर 6 रू. प्रति अंश, आवंटन पर 13 रू. प्रति अंश (प्रीमियम सहित) तथा शेष याचना पर। 100 अंशों को छोड़कर शेष सभी अंशों की याचना राशि समय प्राप्त हो गई। कम्पनी की पुस्तक में आवश्यक पंजी प्रविष्ठियॉ कीजिए।

A Limited company issued 5,000 equity share of Rs. 20 each in public at Rs. 5 Premium per share / payable as Rs. 6 per share on application, as Rs. 13 per share (Including premium) on allotment and Balance on called.

All the money were received duly except call money on hundred share, draw of necessary. Journal Entries in the book of Company.

प्र.18 ऋणपत्र शोधन की विधियों का वर्णन कीजिए। **(6)**

Discuss the method of the redemption of debenture.

अथवा

(Or)

शर्मा लिमिटेड ने 10,000, 14% ऋणपत्र 100 रू. वाले 5% छूट पर निर्गमित किये। जिसे 10% प्रीमियम पर 5 वर्ष पश्चात लाभों में भुगतान किया जाना है। शोधन के समय ऋणपत्र शोधन कोष में 3,40,000 रू. थे। ऋणपत्र शोधन की प्रविष्टियॉ कीजिए।

Sharma Limited issued 10,000 14% debenture of Rs. 100 each at 5% discount. Repayable at premium of 10% after five year out of the profit of the company. Time of redemption balance in the debentrure redemption reserve fund stood at Rs. 3,40,000.

Make necessary Journal Entries.

प्र.19 वित्तीय विवरण के उद्देश्यों को समझाइए। **(6)**

Explain objectives of analysis of financial statement.

अथवा

(Or)

निम्नलिखित विवरण से प्रारम्भिक स्कन्ध तथा अन्तिम स्कन्ध का निर्धारण कीजिए।

अ) स्टॉक आवर्त अनुपात 6 गुना।

ब) सकल लाभ बिक्री पर 2%

स) विक्रय 1,80,000 रू.

द) अन्तिम स्कन्ध, प्रारंभिक स्कन्ध से 15,000 रू. अधिक है।

Determine the amount of Opening Stock and Closing Stock from the following details –

a) Stock Turn over ratio Six time

b) Gross Profit on sales 20%

c) Sale Rs. 1,80,000

d) Closing stock excess from opening stock Rs. 15,000.

प्र.20 निम्नलिखित विवरण से तुलनात्मक आय विवरण तैयार कीजिए – **(6)**

विवरण	**2010 रू.**	**2011 रू.**
विक्रय	2,00,000	3,00,000
बेचे गये माल की लागत	विक्रय का 60%, सकल लाभ	विक्रय का 70%, सकल
अप्रत्यक्ष व्यय	का 50%, कर के पूर्व शुद्ध	लाभ का 40%, कर के
आयकर	लाभ का 50%	पूर्व शुद्ध लाभ का 50%

Prepare comparative income statement from the information given below –

Particuler	2010 (Rs.)	2011 (Rs.)
Sales Cost of goods sold Indirect Expenses Income Tex	2,00,000 60% on Sale, 50% on Gross Profit, 50% of net Profit before Tax	3,00,000 70% on Sale, 40% on Gross Profit, 50% of net Profit before Tax

अथवा

(Or)

फण्ड बहाव के छः उद्देश्य लिखिए ।

Write any Six object of Preparing the fund flow statement.

आदर्श उत्तर

Model Answer

1. निम्न में से सही विकल्प चुनकर लिखिए – (1 x 5)

अ) ऐच्छिक ब) पुराने लाभा–लाभ अनुपात में

स) संयोग द्वारा समापन द) Y द्वारा 1/10 इ) लेनदार

2. निम्न लिखित की सही जोड़ियॉ बनाइए – (1 x 5)

अ) ⟶ E. प्रेषक की

ब) ⟶ C. जब बिना बिके माल का मूल्यांकन बीजक मूल्य हो।

स) ⟶ D. लागत + लाभ।

द) ⟶ B. बीजक मूल्य से अधिक मूल्य पर माल बेचने पर।

इ) ⟶ F. हानि का सूचक।

3. सत्य / असत्य में उत्तर – (1 x 5)

1. असत्य
2. सत्य
3. असत्य
4. असत्य
5. असत्य

4. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए – (1 x 5)

1. असीमित 2. जमा

3. उत्तराधिकारी के 4. रोकड़

5. भुगतान कराना

5. एक वाक्य में उत्तर लिखिए – (1 x 5)

1) परिवर्तनशील 2) पूंजी खाते में

3) अनिवार्य समापन 4) कोई ब्याज नही 6) पंजीकृत ऋण पत्र

6. साझेदारी संलेख के अभाव में लागू होने वाले नियम –

1. लाभ–हानि विभाजन समानुपात में।
2. पूंजी पर कोई ब्याज नही दिया जायेगा।
3. आहरण पर ब्याज नहीं लिया जायेगा।
4. ऋण पत्र ब्याज की दर 6% वार्षिक होगी।
5. साझेदारों को वेतन, कमीशन अथवा कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जावेगा।

(कोई चार बिन्दु, प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक) (1 x 4)

अथवा

(Or)

हल (Solution) :-

Profit and Loss Appropriation A/c for the year ended 31.12.2011

Particulars	**Amount (Rs.)**	**Particulars**	**Amount (Rs.)**
To Interest on Capital		By Balance b/f	2000
X 420			
Y 350	770		
To Salary of X	800		
To Interest on Loan to Y	48		
To Capital A/c Profit			
X 191			
Y 191	382		
	2000		**2000**

(निर्धारित अंक – 4)

7. कम्पनी द्वारा अंश प्रीमियम का उपयोग निम्न कार्यो के लिये किया जा सकता है –

1) शोध्य पूर्वाधिकार अंशो या ऋण पत्रों के शोधन पर देय कमीशन की व्यवथा करने में।

2) कम्पनी के प्रारम्भिक व्ययों को अपलिखित करने में।

3) कम्पनी के अनिर्गमित अंशों केा कम्पनी के सदस्यों से चुकता बोनस अंशों के रुप में निर्गमित करने में।

4) कम्पनी के अंशों या ऋण पत्रों के निर्गमन सम्बधी व्यय, कमीशन, छूट आदि अपलिखित करने में।

(प्रत्येक सही बिन्दु का 1 अंक प्राप्त होगा)

अथवा

कम्पनी की विशेषताएं :–

1. राजनियम द्वारा निर्मित –: कम्पनी का जन्म कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत होता है।
2. कृत्रिम व्यक्ति –: कम्पनी विधान द्वारा निर्मित एक कृत्रिम व्यक्ति है। यह सामान्य व्यक्ति की तरह आर्थिक कार्य करती है।
3. सीमित दायित्व –: कम्पनी के सदस्यों का दायित्व उनके खरीदे हुए अंशों तक ही सीमित रहता है।
4. प्रथक अस्तित्व –: कम्पनी का अस्तित्व उनके अंशधारियों से प्रथक रहता है।

नोट :– कोई अन्य चार सही विशेषताओं पर भी 1 X 4 अंक प्राप्त होंगे।

8. अंशधारी तथा ऋण पत्र धारी में अंतर –

स. क्र.	अन्तर का आधार	अंशधारी	ऋण पत्र धारी
1.	स्थिति	अंशधारी कम्पनी का स्वामी होता है।	ऋण पत्रधारी कम्पनी का लेनदार होता है।
2.	प्रतिफल	अंशधारियों को प्रतिफल में लाभांश मिलता है।	ऋण पत्र धारियो को प्रतिफल के रुप में ब्याज मिलता है।
3.	सदस्यता	अंश पत्र धारी कम्पनी के सदस्य होते हैं।	ऋण पत्र धारी कम्पनी के सदस्य नही होते।
4.	मताधिकार	अंश धारी को कम्पनी के प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार होता है	ऋण पत्र धारी को कम्पनी के प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार नही होता है।

नोट :– कोई अन्य चार सही बिन्दुओं पर भी 1 X 4 अंक प्राप्त होगें।

अथवा

Journal Entries :-

Date	Particular's	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Furniture A/c Dr. To Agrawal Traders (Being furniture Parches from Agrawal Traders)		2,20,000	 2,20,000
2.	Agrawal Traders Dr. To 15% Debenture A/c To Security premium A/c (Being Issued 2000 debenture true at 10% Premium)		2,20,000	 2,20,000 20,000

नोट :– प्रत्येक प्रविष्टी के लिये 2 अंक प्राप्त होंगे।

9. रोकड बहाव विवरण की उपयोगिता –

1. रोकड की स्थिति का मूल्यांकन –: रोकड़ बहाव विवरण रोकड़ के आधार पर तैयार किया जाता है। तथा व्यवसाय रोकड़ की स्थिति का आकलन करने में यह बहुत सहायक है।
2. भावी आवश्यक रोकड़ की जानकारी –: भविष्य मे वित्तीय क्रियाओं की योजना बनाने के लिये रोकड़ की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
3. रोकड़ के फेर का ज्ञान –: रोकड़ बहाव विवरण से रोकड़ के फेर की जानकारी मिलती है।
4. तरलता का अनुमान –: रोकड़ बहाव विवरण की सहायता से तरलता का अनुमान आसानी से लगा लिया जाता है।

नोट :– कोई अन्य चार सही बिन्दुओं पर भी 1 X 4 अंक प्राप्त होगे।

अथवा

लेखांकन अनुपात का महत्व :–

1. लेखांकन अनुपात की गणना करके हम व्यवसाय की वित्तीय शक्ति क्षमता एवं सुदृढता की जानकारी प्राप्त कर सकते है।
2. विभिन्न वर्षों के कार्य निष्पादन की तुलना करने तथा आकड़ों की प्रवृत्तियों की जानकारी प्राप्त करने में लेखांकन अनुपात का अत्याधिक महत्व हैं
3. लेखांकन अनुपात की विश्लेषण से हम व्यवसाय की दुर्बलताओं की जानकारी हो जाती है।
4. लेखांकन अनुपातों के आधार पर हम व्यवसाय के समस्या ग्रस्त क्षेत्रों का पता लगा सकते हैं।

नोट :– कोई अन्य चार सही बिन्दुओं पर भी 1 X 4 अंक प्राप्त होगें।

10. चल अनुपात तथा त्वरित अनुपात में अन्तर –

स. क्र.	अन्तर का आधार	चल अनुपात	तरलता अनुपात
1.	सम्बन्ध	यह अनुपात चल सम्पत्तियों तथा चल दायित्वों के बीच संबन्ध स्थित करता है।	यह अनुपात तरल सम्बन्धियों तथा चल दायित्वों के बीच सम्बन्ध स्थित करता है।
2.	दायित्वों का भुगतान	यह अनुपात यह बतलाता है कि कम्पनी अपने चल दायित्वों का भुगतान चल सम्पत्तियों में से करने की क्षमता रखता है।	यह अनुपात यह बतलाता है कि कम्पनी अपने चल दायित्वों का भुगतान अपनी तरल सम्पत्तियों से तुरन्त कर सकता है।
3.	आदर्श स्थिति	यदि यह अनुपात 1:1 है तो उसे आदर्श स्थिति माना जाता है।	यदि यह अनुपात 1:1 है तो उसे आदर्श स्थिति माना जाता है।
4.	शोधन क्षमता की माप	कम्पनी की अल्पकालीन शोधन क्षमता को मापने के लिये यह अनुपात उर्पयुक्त नही है।	कम्पनी की अल्पकालीन शोधन क्षमता मापने के लिये यह अनुपात उर्पयुक्त माना जाता है।

नोट :– कोई अन्य चार सही बिन्दुओं पर भी 1 X 4 अंक प्राप्त होगे।

अथवा

विनियोग क्रियाओं से हमारा आशय दीर्घकालीन सम्पत्तियों या स्थायी सम्पत्तियों जैसे – यन्त्र, मशीनरी, भूमि–भवन, फर्नीचर फिटिंग आदि के क्रय विक्रय से है। लेखांकन मानक 3 के अनुसार विनियोग क्रियाओं का सम्बन्ध सदैव दीर्घकालीन सम्पत्तियों तथा अन्य विनियोगों के क्रय विक्रय से होती है। इनमें वे विनियोग नहीं आते जो रोकड़ तुल्यों की श्रेणी में आते हैं।

(कुल चार अंक)

11. Consigenment Account

Particulars	**Amount Rs.**	**Particulrs**	**Amount Rs.**
To Good sent on consignment (100 x 300)	1,30,000	By Bhopal Electronics Center	1,37,000
To Cash	4,000	By Good sent on consignment (100 x 300)	30,000
To Bhopal Electronic Center		By Consigment Stock	13,500
Octrol 1000			
Selling exp. 3,300	4,300		
Commission -			
Commission 11,700			
Over riding 5,000	16,700		
Commission –			
To Stock Suspence	3,000		
	1,80,500		**1,80,500**

बिना बिके माल स्टाक की गणना।

भेजे गये माल का बीजक मूल्य + प्रेषक के व्यय + प्रेषणी के व्यय x स्टाक

$$\frac{1,30,000 + (4000 + 1000)}{100} \times 10 = \frac{1,35,000}{100} \times 10 = 13,500$$

कमीशन की गणना –

कुल बिक्री	1,37,000	
बीजक मूल्य	1,17,000	
(90 X 1300)	20,000	अधिक राशि

सामान्य कमीशन 1,17,000 X 10 / 100 = 11,7000

अधिभावी कमीशन 20,000 X 25 / 100 = 5,000

कुल कमीशन = 16,700

(3+2 = 5 अंक)

अथवा

(OR)

सामान्य हानि और असामान्य हानि में अन्तर –

सामान्य हानि	असामान्य हानि
1) इसका लेखा पुस्तकों में नहीं किया जाता है।	1) इसका लेखा पुस्तकों में किया जाता है।
2) यह प्राकृतिक कारणों से होती है– कोयला का सूखना, पेट्रोल का उड़ना	2) यह अप्राकृतिक कारणों से होती है– चोरी, आग लगना आदि।
3) इस हानि को रोकना सम्भव नहीं है।	3) इस हानि को सावधानी से रोका जा सकता है।
4) इसका बीमा नहीं होता है।	4) इसका बीमा किया जा सकता है।
5) यह हानि स्वाभिक होती है।	5) यह हानि अस्वाभिक होती है।

(प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक)

12. ख्याति को निर्धारित करने वाले घटक –

1. कर्म का स्थान – व्यवसाय ऐसे स्थान पर स्थापित हो जहाँ ग्राहक अधिक संख्या में आ सके।
2. व्यवहार कुशलता – व्यापार के स्वामी की व्यवहार कुशलता के कारण भी ख्याति उत्पन्न होती है।
3. उचित मूल्य नीति – वस्तु के उचित मूल्य निर्धारण एवं बिक्री नीति से भी ख्याति उत्पन्न होती है।

4. माल की किस्म – माल उच्च किस्म एवं गुणवत्ता पूर्ण होने पर व्यवसाय की ख्याति बढती है।

5. आकर्षित विज्ञापन – वस्तु के आकर्षक विज्ञापन के कारण वस्तु एवं व्यवसाय की ख्याति उत्पन्न होती है।

नोट :– कोई अन्य 5 सही बिन्दुओं पर भी 1 X 5 अंक प्राप्त होगे।

Revalution Account

Particulars	**Amount Rs.**	**Particulrs**	**Amount Rs.**
To Machinery	1,000	By Building	10,000
To Investment	2,500	By Debitors	2,500
To Capital A/c			
S. 5,400			
B. 3,600	9,000		
	12,500		**12,500**

Capital Account

Particuler	**S**	**B**	**R**	**Particuler**	**S**	**B**	**R**
To Investment	6000	-	-	By Balance b/d	30,000	20,000	-
To Balance c/d	35,160	27,440	12,000	By Revalution a/c	5,400	3,600	-
				By Cash	-	-	12,000
				By Good will	5,760	3,840	-
	41,160	**27,440**	**12,000**		**41,160**	**27,40**	**12,000**

(3+2 = 5 अंक)

13. त्याग का अनुपात और लाभ नफे के अनुपात में अन्तर :–

अन्तर का आधार	**त्याग का अनुपात**	**लाभ नफे का अनुपात**
1. अर्थ	यह वह अनुपात है जिसमें विद्यमान साझेदार नये साझेदार के लिए त्याग करते हैं।	यह वह अनुपात है जिसमें किसी साझेदार की मृत्यु एवं अवकाश ग्रहण करने पर विद्यमान साझेदार अनुपात प्राप्त करते हैं।
2. प्रयोग	इसका प्रयोग नये साझेदार द्वारा लाई गई ख्याति को बांटने के लिए किया जाता है।	इसका उपयोग पृथक होने वाले साझेदार को विद्यमान साझेदार द्वारा दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि वहन करने के लिए किया जाता है।

3. पूंजी पर प्रभाव	पुराने साझेदारां के पूंजी खाते त्याग के अनुपात में जमा किये जाते हैं।	पुराने साझेदारों के पूंजी खाते नफे के अनुपात में नाम किये जाते हैं।
4. गणना की रीति	विद्यमान साझेदार के अनुपात में नये अनुपात को घटाकर गणना की जाती है।	विद्यमान साझेदार के नये अनुपात में पुराने अनुपात को घटाया जाता है
5. गणना का समय	नये साझेदार के प्रवेश के समय या विद्यमान साझेदार के अनुपात के परिवर्तन के समय	साझेदार की मृत्यु या निवृत्ति के समय या अनुपात परिवर्तन के समय

अथवा

(or)

Annuity Suspence A/c

Date	Particuler	Amount	Date	Particular	Amount
2007 Dec. 31	To Balance b/d	42,400	2007 Jan. 1 Dec. 31	By Balance b/d By Interest a/c	60,000 2,400
		42,400			42,400
2008 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Balance c/d	6,000 38,584	2008 Jan. 1 Dec. 31	By Balance b/d By Interest	42,400 2,184
		44,584			44,584
2009 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Balance c/d	6,000 34,539	2009 Jan. 1 Dec. 31	By Balance b/d By Interest	38,584 1,955
		40,539			40,539
2010 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Balance c/d	6,000 30,251	2010 Jan. 1 Dec. 31	By Balance b/d By Interest	34,539 1,712
		36,251			36,251
2011 Jan. 1 Dec. 31	To Cash a/c To Partners Capital a/c	6,000 24,251	2011 Jan. 1	By Balance b/d	30,251
		24,251			**24,251**

(एक प्रविष्टि का 1 अंक = 5 अंक)

Journal Entries

Date	Particular's	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Share Capital a/c Dr. To Share first call To Share forfeiture (Being 300 Share forfieled for Non Payment of call)		3,000	 1,500 1,500
2.	Share forfesled A/c Dr. To Capital Reseve A/c (Being forfeited Am. Transferad to Capital Reserve		3,000	 3,000

अथवा

(or)

पूंजी संचय एवं संचित पूंजी में अंतर –

पूंजी संचय	**संचित पूंजी**
1) पूंजीगत लाभों की प्राप्ति से जो कोष बनाया जाता है उसे पूंजी संचय कहते हैं।	1) कम्पनी की पूंजी का वह भाग जो कम्पनी के समापन के समय मांगने के लिए सुरक्षित रहता है। संचित पूंजी कहलाता है।
2) इसका लेखा चिट्ठे में संचय तथा आधिक्य शीर्षक में किया जाता है।	2) इसका लेखा चिट्ठे में नहीं किया जाता है।
3) इसके निर्माण के लिए प्रस्ताव पास नही करना पड़ता।	3) इसके निर्माण के कम्पनी को विशेष प्रस्ताव पास कराना होता है।
4) यह प्राप्त हुए लाभ का भाग है।	4) यह पूंजी का वह भाग है जो प्राप्त होना शेष है।
5) इसका उपयोग कम्पनी के जीवन मूल्य में कभी भी किया जा सकता है।	5) इसका उपयोग केवल कम्पनी के समापन के समय ही किया जाता सकता है।

(प्रत्येक 1 बिन्दु का 1 अंक)

15. चालू दायित्व – (1) स्वीकृतियाँ
(2) विविध लेनदार
(3) अयाचित लाभांश

(4) अन्य दायित्व

(5) अदत्त ब्याज

(6) सहायक कम्पनी के ऋण

आयोजक – (1) कर हेतु आयोजन

(2) प्रास्तवित लाभांश

(3) भविष्य निधी

(4) पेंशन एवं ग्रेज्यूटी

(5) आकास्मिक संचय

(3 + 2 = 5)

अथवा

(or)

Liabilites	Amount	Assets	Amount
1) Share Capital		1) Fix Assets	
2) Provision & Surplus		2) Investment	
3) Secured Loan		3) Current Assets	
4) Unsecured Loan		4) Loan & Advance	
5) Current liabilities		5) Sundery expenses	

16. फर्म के विघटन के प्रभाव :–

1. जिस व्यवसाय के लिए फर्म का गठन किया गया है, वह व्यवसाय बन्द हो जाता है।
2. साझेदारों का फर्म से सम्बन्ध खत्म हो जाते हैं।
3. फर्म की सम्पत्ति का विक्रय कर दिया जाता है।
4. तीसरे पक्षकारों के दावों तथा साझेदारों के दावों का निपटारा कर दिया जाता है।
5. लेनदारों एवं बाहरी दायित्वों को साझेदारों में लाभ के अनुपात में विपरीत कर दिया जाता है।

6. फर्म की सम्पत्ति फर्म के दायित्वों से कम है, तो शेष राशि को साझेदारों से वसूल किया जाता है।

(1 x 6 = 6 अंक)

अथवा

(or)

Realisation A/c

Particular	Amount	Particular	Amount
To Machiry A/c	27,000	By Creditor	9,000
To Plant A/c	30,000	By Bank	54,600
To Debiters	4,500	21,600+27,000+6000	
To Bank A/c	8,100	By Capital A/c	
To Benk A/c	1,500	Jagan 5,250	
(expenses)		Magan 5,250	10,500
	74,100		**74,100**

Partner Capital A/c

Particuler	Jagan	Magan	Particuler	Jagan	Magan
To Realisation	5,250	5,250	By Balance b/d	30,000	21,000
To Bank	24,750	15,750			
	30,000	21,000		30,000	21,000

17. अंशों का हरण एवं समर्पण में अन्तर :–

आधार	अंशों का हरण	समर्पण
1. प्रतिफल	अंशों के हरण में प्रतिफल में कुछ नहीं दिया जाता है।	अंशों के समर्पण में कभी–कभी कुछ प्रतिफल दिया जाता है।
2. दण्डात्मक	अंशों का हरण दण्डात्मक कार्यवाही है।	समर्पण में दण्डात्मक कार्यवाही नही होती।
3. लिखित सूचना	हरण में लिखित सूचना जारी की जाती है।	इसमें कोई लिखित सूचना जारी नहीं की जाती है।

4. इच्छानुसार	अंशों का हरण कम्पनी की इच्छा के अनुसार किया जाता है।	समर्पण अंशाधारी की इच्छा के अनुसार किया जाता है।
5. अधिकार	अंशों अंशों के हरण का अधिकार कम्पनी का होता है।	अंशों के समर्पण का अधिकार अंशधारी का होता है।
6. सूची 'अ' में नियम	अंशों के हरण सूची 'अ' में दिये होते हैं।	यह सूची 'अ' में नही होते हैं।

(प्रत्येक बिन्दु 1 अंक कुल 6 अंक)

अथवा

(or)

Journal Entries

Date	Particular's	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	बैंक खाता नाम अंश आवेदन खाते से (आवेदन पर राशि प्राप्त)		30,000	 30,000
2.	अंश आवेदन खाता नाम अंश पूंजी खाते से (अंश आवेदन राशि को अंश पूंजी खाते में हस्तांतरित)		30,000	 30,000
3.	अंश आबंटन खाता नाम अंशपूंजी खाते से अप्रीमियम राशि (अंश आबंटन राशि प्रीमियम सहित देय होने पर)		65,000	 40,000 25,000
4.	बैंक खाता नाम अंश आबंटन खाते से (आबंटन राशि प्राप्त होने पर)		65,000	 65,000
5.	अंश याचना खाता नाम अंश पूंजी खाते से (याचना राशि देय होने पर)		30,000	 30,000
	बैंक खाता नाम अप्राप्त याचना नाम अंश याचना खाता से (याचना की राशि प्राप्त होने पर)		29,400 600	 30,000

18. ऋण पत्र शोधन की विधियॉ –

1) एक मुश्त राशि में भुगतान

2) किश्तों में भुगतान

3) खुले बाजार में ऋण पत्रों को खरीदना

4) अंशों व नये ऋण पत्रों में परिवर्तन करना

निम्नलिखत दशाओं में उक्त नियम लागू नही होगें –

1. निर्गमित ऋण पत्रों की परिपक्वता अवधि 18 माह से कम हो।

2. ऋण पत्रों का निर्गमन अद्यो संरचना कम्पनी को किया हो।

(6 अंक)

अथवा

(or)

Journal Entries

Date	Particular's	C./F.	Amount	Amount
	14% Debenture A/c Dr. Premium an debenture A/c Dr. To Debenture holder A/c (Being Amount due an redembtom)		10,00,000 1,00,000	 11,00,000
	Ptofit and Loss Appropration A/c Dr. To Debenture redem alin Reserved A/c (Being the tremsberred of Profit to Debenture redemetion Reserve A/c Under SEBI Guide Lines)		1,60,000	1,60,000
	Debenture holder A/c Dr. To Bank (Being Amount Paid to debenture holder)		11,00,000	11,00,000
	Profit and Loss Appropretion A/c Dr To General Reserve (Being Tronsferred to profit to the extent of 50% of the case value)		5,00,000	5,00,000
	Debenture redemption A/c Dr. To General Reserve A/c (Being Transferred of Balance debenture redemption reserve A/c to General Reserve)		5,00,000	5,00,000

(6 अंक)

19. वित्तीय विवरणों के विश्लेषण के उद्देश्य –

(1) व्यवसाय की उपार्जन शक्ति का पता लगा।

(2) व्यवसाय की सुरक्षा एवं शोधन क्षमता का पता लगाना एवं अध्ययन करना।

(3) वित्तीय दशाओं का अध्ययन करना।

(4) प्रबन्ध दक्षता का अध्ययन करना।

(5) व्यवसाय की प्रवृतियों का अध्ययन करना।

(6) ब्याज एवं लाभांश की भुगतान की क्षमता का अध्ययन करना।

(प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक) = 6 अंक

अथवा (or)

	रूपये
विक्रय	1,80,000
– सकल लाभ (बिक्री का 20%)	36,000
बिके हुये माल की लागत	1,44,000

स्कंन्ध आर्वतन पर अनुपात = $\frac{\text{बेचे गये माल की लागत}}{\text{औसत स्कन्ध}}$

$6 = \frac{1,44,000}{\text{औसत स्कन्ध}}$

औसत स्कन्ध = $\frac{1,44,000}{6} = 24,000$

औसत स्कन्ध का दुगुना = 24,000 x 2

= 48,000

चूंकि अन्तिम स्कन्ध प्रारंभिक

स्कन्ध 15,000 रू. अधिक है

अंतः प्रारंभिक स्कन्ध = $\frac{48,000 - 1,50,000}{2} = \frac{33,000}{2} = 16,500$

अन्तिम स्कन्ध होगा 16,500 + 15,000 = 31,500 रू. (6 अंक)

20. Compertive Income Statemnet

Particular	2007	2008	Amount	U
Sales	20,000	300,000	100,000	500
Less Cost of Goods sales	1,20,000	2,10,000	90,000	750
Gross Profit	80,000	90,000	10,000	12.50
Less Inded Exp.	40,000	36000	4,000	100
Profit befit Tax	40,000	54,000	14,000	35.0
Less Income Tax	20,000	27,000	7,000	35.0
Net Profit	20,000	27,000	7,000	35

अथवा

(or)

फण्ड बहाव विवरण के उद्देश्य –

1) लाभ की रकम का प्रयोग कहाँ किया गया की जानकारी प्राप्त करना।

2) यह जानना शुद्ध लाभ अधिक होने पर भी शुद्ध चालू सम्पत्ति कम क्यों है।

3) यह जानना कि लाभांश में वृद्धि क्यों नहीं हुई है।

4) यह जाना कि प्लाण्ट एवं मशीनरी का विस्तार किस प्रकार से किया गया है।

5) अंश और ऋण पत्र निर्गमन से प्राप्त राशि का उपयोग किस प्रकार किया गया की जानकारी प्राप्त करना।

6) यह जानकारी करना कि कार्य शील पूंजी में वृद्धि का प्रबन्ध किस प्रकार किया गया है।

(1 x 6 = 6 अंक)